PRGI : APHIN/26/A3657

पेन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र



वर्ष - 1 अंक - 99 मंगलवार, अक्टूबर 27, 2026 *विशाखापट्टनम* संपादकः गंट्यादा अप्पाराव पृष्ठों. 4 मूल्य. 1रु

फर्स्ट कॉलम

वाराणसी के नमो घाट पर वायुसेना के एयर शो के दौरान विशेष डाक कवर जारी



वाराणसी, एजेंसी। भारतीय वायुसेना ने देश की 94 वर्षों की सेवा पूरी होने के अवसर पर अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत 25 अक्टूबर को वाराणसी के नमो घाट पर आयोजित हवाई प्रदर्शन के दौरान एक विशेष डाक कवर जारी किया। भारतीय वायुसेना की केंद्रीय वायु कमान (सीएसी) ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए बताया कि यह विशेष डाक कवर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और वाराणसी क्षेत्र की पोस्टमास्टर जनरल पद्मगंधा मिश्रा ने जारी किया। 25 अक्टूबर, 2026 को नमो घाट पर भारतीय वायुसेना के हवाई प्रदर्शन के दौरान एक विशेष डाक कवर जारी किया गया। यह हवाई प्रदर्शन वायुसेना के जनसंपर्क कार्यक्रम का हिस्सा था। वायुसेना ने हमारे देश की 94 वर्षों तक सेवा पूरी कर ली है। यह कवर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और वाराणसी क्षेत्र की पोस्टमास्टर जनरल श्रीमती पद्मगंधा मिश्रा ने जारी किया। यह विशेष डाक कवर भारतीय वायुसेना दिवस हवाई प्रदर्शन-2026 के दौरान जारी किया गया।

पुणे में 18 वर्षीय युवती से छेड़छाड़ करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे में एक 18 वर्षीय युवती से छेड़छाड़ करने के आरोप में एक व्यक्ति की गिरफ्तारी की गई है। सोमवार को पुलिस ने बताया कि पुणे के कटराज इलाके में 18 वर्षीय युवती के साथ छेड़छाड़ करने और उसे उठाने की कोशिश करने के आरोप में 30 वर्षीय एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। युवती के शोर मचाने पर वहां इकट्ठा हुए लोगों ने आरोपी की पिटाई कर दी। आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के रहने वाले जीतू किशोरलाल सरोज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह अभी पुणे में कटराज-कोंढवा रोड के पास विद्यानगर इलाके में एक किराए के मकान में रहता है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना 24 अक्टूबर को शाम करीब 6:30 बजे सुखसागर नगर के पास समर्थ डेयरी के सामने हुई। युवती अपनी सहेली मानसी गायकवाड़ से मिलने गई थी और उसका इंतजार कर रही थी, तभी आरोपी वहां पहुंचा। आरोप है कि उस व्यक्ति ने युवती को टच किया और उसकी शर्ट खींची।

होर्मुज से 1.5 अरब बैरल तेल के निर्यात में मदद का अमेरिकी दावा

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने पिछले छह महीनों में खाड़ी देशों को होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते 1.5 अरब बैरल से अधिक कच्चे तेल के निर्यात में मदद की है। सेंटकॉम के मुताबिक, कूपर ने रविवार को अमेरिकी सेना के सीएच-47 चिनूक हेलीकॉप्टर से होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर उड़ान भरकर वहां के परिचालन हालात का जायजा लिया। कमांड ने कहा कि पिछले छह महीनों में उसके सहयोग से 3,000 से अधिक वाणिज्यिक जहाज इस समुद्री मार्ग से गुजर चुके हैं। कूपर ने कहा कि अमेरिका खाड़ी क्षेत्र के अपने साझेदारों और नौवहन उद्योग के साथ मिलकर समुद्री यातायात को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

हवाई अड्डे की कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण पुलों का लोकार्पण

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नैना क्षेत्र में 15 लाख रोजगार सृजन का लक्ष्य रखा

अलीबाग,एजेंसी

नैना (नवी मुंबई हवाई अड्डा प्रभाव अधिसूचित क्षेत्र) के नियोजित विकास के माध्यम से लगभग 15 लाख रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें से पांच लाख रोजगार उच्च वेतन वाले होंगे। इस विकास से पैदा होने वाले अवसरों में भूमिपुत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी।

किसानों का विश्वास हासिल कर उन्हें विकास का भागीदार बनाने के साथ आधुनिक बुनियादी सुविधाओं और मजबूत परिवहन व्यवस्था के माध्यम से 'तीसरी मुंबई' महाराष्ट्र के विकास का नया ग्रोथ इंजन बनेगी। पनवेल तालुका के शिरढोण में नैना क्षेत्र की विकास परियोजनाओं का भूमिपूजन किया गया। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पूर्वी हिस्से से संपर्क के लिए विकसित एसबीआर-9, बीआर-4, बीआर-5 और उरण बायपास पुल जैसी महत्वपूर्ण संपर्क परियोजनाओं का मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोकार्पण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री के हाथों भूधारकों को संपत्ति पत्रकों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर वे संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार, पालक मंत्री भरत गोगावले, जिला परिषद अध्यक्ष मंगेश वाकडीकर, सांसद श्रीरंग बारणे, सुनील तटकरे, अतुल पाटिल, पूर्व सांसद रामशेठ ठाकुर, विधायक निरंजन डावखरे, अनिकेत तटकरे, ज्ञानेश्वर म्हात्रे, विक्रांत पाटिल, प्रशांत ठाकुर, रवींद्र पाटिल, महेश बालदी, महेंद्र दलवी, पनवेल महानगरपालिका के महापौर नितिन पाटिल, जिलाधिकारी किशन जावले, मुख्य कार्यकारी अधिकारी नेहा भोसले, सिडको के उपाध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक अश्विन मुदगल, सह-प्रबंध निदेशक शांतनु गोयल, राजा दयानिधि, गणेश देशमुख, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सुरेश मेंगडे सहित अन्य लोग उपस्थित थे।



विभिन्न अवधारणाओं से नैना क्षेत्र के विकास को नई दिशा

मुख्यमंत्री ने कहा कि नैना क्षेत्र का विकास केवल सड़कें, इमारतें और आवासीय बस्तियां बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि रोजगार, जलापूर्ति और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना भी महत्वपूर्ण है। एजुकेशन सिटी, मेडिकल सिटी, स्पोर्ट्स सिटी, एयरोसिटी और नॉलेज सिटी जैसी अवधारणाओं के माध्यम से इस क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के आर्थिक और सामाजिक अवसर पैदा होंगे। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि नैना क्षेत्र मुंबई, नवी मुंबई, रायगढ़, ठाणे और पालघर के विकास को नई दिशा देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में मुंबई महानगर क्षेत्र के साथ पुणे, छत्रपति संभाजीनगर और नागपुर जैसे विभिन्न विकास केंद्र विकसित हो रहे हैं। इसी तर्ज पर ठाणे, नवी मुंबई, रायगढ़ और पालघर का क्षेत्र आने वाले समय में राज्य के आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण इंजन बनेगा।

नैना क्षेत्र का विकास तेज करेंगे : शिंदे

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि नैना क्षेत्र में कई वर्षों से लंबित समस्याओं को सुलझाकर इस क्षेत्र के विकास को गति देने की दृष्टि से आज का दिन ऐतिहासिक है। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और अटल सेतु के कारण पनवेल, उरण, नवी मुंबई और रायगढ़ क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिली है। यह क्षेत्र महाराष्ट्र के नए ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहा है। हवाई अड्डे को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण संपर्क परियोजनाओं के लोकार्पण से मुंबई-पुणे राजमार्ग और राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ संपर्क व्यवस्था और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि नैना क्षेत्र के भूधारकों की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए विकास शुल्क और बेहतरी शुल्क शून्य करने का निर्णय लिया गया है। फ्रीहोल्ड से संबंधित प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। भूधारकों को संपत्ति पत्रक वितरित होने से उनके भूखंडों पर स्वामित्व अधिकारों का आधिकारिक रिकॉर्ड दर्ज होने का रास्ता साफ हुआ है। जिन भूमिपुत्रों ने अपनी जमीन देकर इस विकास की नींव रखी है, उन्हें इसका उचित लाभ मिलना चाहिए। स्थानीय किसानों और भूमिपुत्रों को विकास का भागीदार बनाना ही सरकार की भूमिका है।

नैना क्षेत्र के नियोजित विकास से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर : सुनेत्रा पवार

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने कहा कि नैना क्षेत्र के नियोजित विकास, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक बेहतर संपर्क और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं के माध्यम से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि नैना क्षेत्र की विकास परियोजनाएं पनवेल, उरण, नवी मुंबई और रायगढ़ जिले के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। लगभग 953 करोड़ रुपये की लागत वाले एसबीआर-9, बीआर-4 और बीआर-5 संपर्क परियोजनाओं से पुणे, पनवेल, ठाणे और कल्याण क्षेत्र से हवाई अड्डे तक पहुंचने वाला यातायात अधिक तेज और सुचारु होगा। लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत वाले उरण बायपास से शहर में यातायात की भीड़ कम होगी। इससे स्थानीय नागरिकों, मछुआरों और किसानों का आवागमन आसान होगा। उलवे कोस्टल रोड, अटल सेतु और अन्य महत्वपूर्ण मार्गों के संपर्क से इस क्षेत्र के विकास को और गति मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, अटल सेतु, संपर्क परियोजनाओं और नैना क्षेत्र के नियोजित विकास को एक साथ जोड़ने से उद्योग, व्यापार, सेवा क्षेत्र और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।



भारत की मेजबानी में शुरू हुआ 12वां ब्रिक्स संसदीय मंच, कई देश शामिल

पीएम ने विदेशी प्रतिनिधिमंडलों का स्वागत किया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच के उद्घाटन समारोह में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मंच में शामिल साझेदार देशों के विदेशी प्रतिनिधिमंडलों का भी स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम से इतर रूसी संघ की संघीय सभा के राज्य ड्यूमा के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोदिन का भी स्वागत किया।

इससे पहले, सोमवार को ब्रिक्स संसदीय मंच में शामिल होने के लिए विभिन्न साझेदार देशों के प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय राजधानी स्थित संसद परिसर पहुंचे। विदेशी प्रतिनिधियों का अधिकारियों और सांसदों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। युगांडा, क्यूबा, ब्राजील और रूस के प्रतिनिधिमंडल संसद परिसर पहुंचे।

रूस और ब्राजील ब्रिक्स मंच के पूर्ण सदस्य देश हैं, जबकि युगांडा और क्यूबा को 2025 में साझेदार देश बनाया गया था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी बैठक में शामिल होने के लिए संसद पहुंचे। प्रतिनिधिमंडलों का स्वागत करने वाले सांसदों में राजीव राय और नरेश बंसल शामिल थे। राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने कहा यह मंच वैश्विक आबादी के लगभग आधे हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है, दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद में 40 प्रतिशत योगदान देता है और वैश्विक व्यापार में इसकी हिस्सेदारी लगभग 24 प्रतिशत है। यह एक बेहद महत्वपूर्ण मंच है।

ओम बिरला ने बताई अहमियत : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच से संसद की जिम्मेदारी और उसकी अहमियत पर बात की। संसद भवन परिसर स्थित संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि इस वर्ष ब्रिक्स संसदीय मंच की स्थापना के 20 वर्ष पूरे हो रहे हैं। संगठन का तेजी से विस्तार हो रहा है और इसके साथ ही वैश्विक घटनाक्रमों को प्रभावित करने की इसकी क्षमता भी बढ़ रही है। ओम बिरला ने सदस्य देशों का स्वागत करते हुए कहा, 'भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स को समाधानों का इको सिस्टम मानने की आवश्यकता पर बल दिया है। हमारी सफलता सिर्फ चर्चाओं पर नहीं बल्कि उसके परिणामों पर मापी जाएगी।

मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत, एफआईआर की मांग उठी

नई दिल्ली,एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके दिवंगत पिता पर टिप्पणी के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता ने खड़गे पर एफआईआर की मांग करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। यह शिकायत हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने दर्ज कराई है।

उन्होंने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को शिकायत दी, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई। विष्णु गुप्ता ने कहा कि हाल ही में एक सार्वजनिक संबोधन के दौरान खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके पिता के खिलाफ बेहद अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। शिकायत में कहा गया है हाल ही में, कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके परिवार के खिलाफ बहुत ही खराब और अपमानजनक व्यक्तिगत टिप्पणियां कीं। उन्होंने 'मोदी का बाप' जैसी अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, जो सार्वजनिक जीवन में पूरी तरह से गलत और अस्वीकार्य है।

विष्णु गुप्ता ने कहा देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ इस तरह की अभद्र और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। इससे करोड़ों नागरिकों की भावनाएं आहत हुई हैं और इससे सार्वजनिक शांति भी भंग हो सकती है। उन्होंने कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है, इसलिए दिल्ली पुलिस को मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करनी चाहिए और सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।



रायपुर-बिलासपुर हाईवे पर खड़े ट्रक से टकराई तेज रफ्तार बस, तीन की मौत

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायपुर-बिलासपुर हाईवे पर तेज रफ्तार बस के खड़े ट्रक से टकरा जाने से तीन की मौत हो गई और दस लोग घायल हो गए। अधिकारियों की ओर से जानकारी दी गई कि सोमवार तड़के रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे पर डारचुरा के पास तेज रफ्तार बस के खड़े ट्रक से टकरा जाने के कारण तीन यात्रियों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। यह हादसा सोमवार सुबह 5:30 बजे सिमगा पुलिस स्टेशन के पास हुआ। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, रायपुर से अंबिकापुर जा रही बस में लगभग 22 यात्री सवार थे।

महाराष्ट्र के मंत्री रावल ने मुंबई में युवराज एलोइस का किया स्वागत

मुंबई,एजेंसी

भारत ने सोमवार को लिकटेंस्टाइन के युवराज एलोइस का स्वागत किया। वह भारत की राजकीय यात्रा पर मुंबई पहुंचे हैं। विदेश मंत्रालय ने इस दौरान दोनों देशों के बीच मधुर और सौहार्दपूर्ण संबंधों को रेखांकित किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा भारत में आपका हार्दिक स्वागत है! लिकटेंस्टाइन के युवराज एलोइस भारत की राजकीय यात्रा पर मुंबई पहुंचे। महाराष्ट्र सरकार के प्रोटोकॉल मंत्री जयकुमार रावल ने उनका स्वागत किया। दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को रेखांकित करते हुए जायसवाल ने कहा भारत और लिकटेंस्टाइन साझा मूल्यों पर आधारित मधुर और सौहार्दपूर्ण संबंध साझा करते हैं।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर लिकटेंस्टाइन के युवराज भारत की राजकीय यात्रा पर आए हैं। उनके साथ उनकी पत्नी युवराज्ञी सोफी, वरिष्ठ अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल और प्रमुख उद्योगपतियों वाला कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी आया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, युवराज एलोइस अपनी पत्नी युवराज्ञी सोफी के साथ मुंबई पहुंचे। इसके बाद वे सोमवार सुबह वडोदरा के लिए रवाना हुए। वडोदरा में कार्यक्रमों के बाद प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली के लिए रवाना होगा।

सोमवार दोपहर पालम वायुसेना स्टेशन पर पहुंचने के साथ ही यात्रा का मुख्य राजनयिक चरण शुरू होगा। मंगलवार के आधिकारिक कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत समारोह से होगी। इसके बाद राजघाट पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। दिनभर उच्चस्तरीय राजनयिक बैठकें होंगी, जिनमें हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी शामिल है।

सुल्तानपुर अदालत ने मानहानि मामले में राहुल गांधी को बरी किया, अमित शाह से जुड़ा है मामला

सुल्तानपुर, एजेंसी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में बड़ी राहत मिली है।

सुल्तानपुर की विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने सोमवार को उन्हें मामले में बरी कर दिया। फैसले के दौरान राहुल गांधी अदालत में मौजूद रहे। इससे पहले वह दिल्ली से सुल्तानपुर पहुंचे और अदालत के निर्देश पर निजी बंधपत्र भी दाखिल किया। राहुल गांधी सोमवार सुबह करीब 11:12 बजे सुल्तानपुर की विशेष एमपी-एमएलए अदालत पहुंचे। उनकी पेशी को देखते हुए दीवानी न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई थी। अदालत में प्रवेश करने से पहले फरियादियों को परिसर के बाहर कतार में खड़ा किया गया। राहुल गांधी के अदालत कक्ष में पहुंचने के बाद सुरक्षा कारणों से कक्ष का दरवाजा बंद कर दिया गया। इस दौरान पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर कूरेभार के पास कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी के स्वागत के लिए जुटे रहे। पूर्व मंत्री ओपी सिंह भी करीब 400 गाड़ियों के काफिले और लगभग चार हजार लोगों के साथ पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और समर्थकों की मौजूदगी चर्चा में रही।



पिकअप वाहन से 4 करोड़ रुपये बरामद

रायपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के दुर्गापुर और महासमुंद में पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की है। पुलिस ने दुर्गापुर में अवैध रूप से ले जाए जा रहे 4 करोड़ रुपये को पकड़ा है।

वहीं, महासमुंद पुलिस ने खैर की लकड़ी की तस्करी करने वाले गिरोह पर कार्रवाई करते हुए 95 लाख रुपये जब्त किए हैं। दुर्गापुर पुलिस कार्यालय के मुताबिक, पुलिस द्वारा डबरापारा, थाना खुर्सीपार के पास वाहन चेकिंग के दौरान रविवार रात करीब 11:00 बजे पिकअप वाहन को रोककर चेक किया गया। वाहन का पिछला हिस्सा मॉडिफाई कर पूरी तरह बंद किया गया था। वाहन में दो व्यक्ति सवार मिले, जिन्होंने पूछताछ में अपना नाम भवेशभाई जीनाभाई डाभी और विष्णुदेव दुबे बताया। तलाशी लेने पर वाहन के मॉडिफाई किए गए पिछले हिस्से में एक गुप्त चेंबर बना हुआ मिला।



नमो यमुना रिवर सफारी का निरीक्षण

दिल्ली में नमो यमुना रिवर सफारी बनेगी परिवारों के लिए नया आकर्षण : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली,एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा के साथ राजधानी की पहली 'नमो यमुना रिवर सफारी' का निरीक्षण किया। छठ पर्व से पहले इसके प्रस्तावित शुरुआती शुभारंभ की तैयारियों के बीच उन्होंने इस परियोजना को दिल्लीवासियों के लिए नया अनुभव और परिवारों के लिए पिकनिक का संभावित ठिकाना बताया।

निरीक्षण के दौरान गुप्ता ने कहा कि सरकार की योजना छठ पर्व से पहले रिवर सफारी का उद्घाटन करने की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह पहल यमुना नदी पर आने वाले लोगों को शांति का अनुभव कराएगी। उन्होंने कहा हम छठ पर्व से पहले इसका उद्घाटन करने की योजना बना रहे हैं।

यह दिल्ली के लोगों के लिए एक खास अनुभव होगा। जिस तरह हम दूसरे शहरों में जाते हैं और गंगा, यमुना या किसी अन्य नदी में नाव से सफर करते हैं, तो हमें शांति का अनुभव होता है, उसी तरह इस 'यमुना सफारी' के जरिए मां यमुना पर सफर करते हुए लोगों को शांति मिलेगी और वे उनका आशीर्वाद ले सकेंगे। परिवारों के लिए मनोरंजन स्थल के रूप में प्रस्तावित इस परियोजना के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे प्राकृतिक पर्यावरण और यमुना की स्वच्छता को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है। परिवार यहां आएंगे।

प्रकृति को ध्यान में रखते हुए और मां यमुना की स्वच्छता सुनिश्चित करते हुए इसे एक खूबसूरत पिकनिक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह दिल्ली के लिए बड़ी उपलब्धि और लोगों के लिए खुशी की बात है।





खड़गे के बयान पर कांग्रेस की आलोचना

मुख्यमंत्री ने कहा मेरा मानना है कि कांग्रेस पार्टी, उसके नेता और उनके सहयोगी इतने निराश हो गए हैं कि उन्होंने शालीनता, उचित आचरण और सभ्य व्यवहार की सारी सीमाएं पार कर दी हैं। वे अपनी हार और जनता द्वारा नकारे जाने से इतने परेशान हैं कि यह उनकी शक्ल और उनकी भाषा में साफ दिखाई देता है। वे प्रधानमंत्री को गाली देने और उनके बारे में बुरा बोलने का कोई मौका नहीं छोड़ते। अब वे उनके दिवंगत माता-पिता के बारे में भी बात करने लगे हैं। प्रधानमंत्री को देखिए—लोग उनसे प्यार करते हैं। कई राज्यों में मतदाताओं ने बार-बार उन्हें निर्णायक जीत दिलाई है। उनका विकास कार्य लोगों के दिलों में बसा है। इसे कोई कैसे मिटा सकता है? गुप्ता ने चेतावनी दी कि जनता उस राजनीतिक भाषा को माफ नहीं करेगी, जिसे उन्होंने अश्लील और अपमानजनक बताया। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों में मतदाता इस तरह के व्यवहार का जवाब देंगे। इस तरह की अश्लील गाली-गलौज से आपको कुछ हासिल नहीं होगा। देश के नागरिक सब कुछ देख रहे हैं। वे आपके आचरण और आपके गलत व्यवहार को देख रहे हैं। इसे कभी माफ नहीं किया जाएगा। भारत के इतिहास में आपके ये शब्द दर्ज हो चुके हैं।

संपादकीय

बदलती दुनिया में अप्रासंगिक होता संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है। दुनिया के 50 देशों ने वर्ष 1945 में मिलकर संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया था, जिसके बाद से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अधिक समतापूर्ण और न्यायोचित बनाने के लिए एक नए संगठन की स्थापना का विचार उभरा था, जो पांच राष्ट्रमंडल सदस्यों तथा आठ यूरोपीय निर्वासित सरकारों द्वारा 12 जून 1941 को लंदन में हस्ताक्षरित अंतर-मैत्री उद्घोषणा में पहली बार सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त हुआ था। उस उद्घोषणा के अंतर्गत एक स्वतंत्र विश्व के निर्माण हेतु कार्य करने का आव्हान किया गया था, जिसमें लोग शांति और सुरक्षा के साथ भयमुक्त वातावरण में रह सकें तथा निजीकरण एवं आर्थिक सहयोग के मार्ग की खोज कर सकें। उसके बाद 1944 में सोवियत संघ, अमेरिका, चीन तथा ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा वाशिंगटन के डम्बर्टन ओक्स एस्टेट में कई बैठकों के आयोजन के बाद एक शांतिरक्षक वैश्विक संस्था बनाने की रूपरेखा तैयार की गई, जिसके आधार पर 50 देशों के प्रतिनिधियों के बीच 1945 में बातचीत हुई और 26 जून 1945 को सभी 50 देशों द्वारा चार्टर पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद यह चार्टर 24 अक्तूबर 1945 से प्रभावी हो गया। तभी से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को 'संयुक्त राष्ट्र दिवस' मनाया जाने लगा। अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से स्थापित करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ को इतनी शक्तियां प्रदान की गई कि वह अपने सदस्य देशों की सेनाओं को विश्व शांति के लिए कहीं भी तैनात कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से ही दुनिया के अनेक देश इसके साथ जुड़ते गए और 50 सदस्यों के साथ शुरू हुए इस वैश्विक संघ के सदस्य देशों की संख्या अब 193 हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा यूनाइटेड किंगडम, जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्यों में युद्ध रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, सभी देशों के बीच मित्रवत संबंध कायम करना, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को निभाने की प्रक्रिया जुटाना, सामाजिक एवं आर्थिक विकास, निर्धन तथा भूखे लोगों की सहायता करना, उनका जीवन स्तर सुधारना, बीमारियों से लड़ना इत्यादि शामिल हैं और इन उद्देश्यों को निभाने के लिए 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा प्रमाणित की गई। हालांकि विड़म्बना है कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के इन 81 वर्षों में यह वैश्विक संस्था अब धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खोने लगी है। दरअसल बीते 81 वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अर्थव्यवस्था, हथियार, मीडिया, समाज, मुद्रा तथा समाज से संबंधित तमाम नीतियां इसके पांच स्थायी सदस्य देशों ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, रूस तथा फ्रांस के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप ही निर्धारित की जाती रही हैं, जिस कारण ऐसी नीतियों का खामियाजा भारत के अलावा जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, इजरायल, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई अन्य देशों को भुगतना पड़ा है, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा की स्थायी सदस्यता के लिए तमाम मानदंडों को पूरा करने के बाद भी दशकों से सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बनने के लिए प्रयासरत हैं। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है। हालांकि स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर संयुक्त राष्ट्र में आम सहमति है लेकिन चीन को खासकर एशिया से वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है, जहां स्थायी सदस्यता के दोनों दावेदारों (भारत और जापान) पर वह विभिन्न कारणों से संदेह करता है। भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहल की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर दिया था, आज वही चीन भारत की स्थायी सदस्यता के मार्ग में रोड़े अटका रहा है। भारत चीन के वीटो पावर के कारण ही सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बन पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव बाध्यकारी प्रकृति के नहीं होते। आश्चर्य की बात है कि महासभा में 193 सदस्य देशों द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव भी सुरक्षा परिषद के 5 स्थायी सदस्यों की सहमति पर ही निर्भर करते हैं। इसीलिए अनेक देशों द्वारा इसमें सुधार किए जाने की मांग बीते कई वर्षों से निरंतर की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी की वकालत करते हुए कह चुके हैं कि नई ताकतों को केन्द्रीय भूमिका में लाए बिना दुनिया की यह सबसे बड़ी पंचायत स्वयं से की जाने वाली अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पाएगी। दुनिया के कई देश बार-बार कहते रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र का ढ़ांचा अब पुराना पड़ चुका है और इसकी स्थापना के समय जो परिस्थितियां थी, वे अब बहुत पुरानी हो चुकी हैं। इसलिए यदि यह वैश्विक संस्था अपने भीतर समयानुकूल सुधार नहीं लाती है तो कालांतर में यह महत्वहीन होती चली जाएगी। रूस-यूक्रेन युद्ध हो या इजरायल-फिलस्तीन अथवा अमेरिका-ईरान युद्ध, इन संघर्षों में दोनों ही पक्षों के हजारों बेगुनाह लोग मारे जा रहे हैं, हजारों परिवार उजड़ चुके हैं, लाखों की आबादी पलायन की त्रासदी से जूझ रही है, शहर के शहर मलबे में तब्दील हो रहे हैं लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ इन संघर्षों को रोकने के लिए कुछ नहीं कर सका है। इसीलिए दुनिया में जगह-जगह युद्ध टालने के लिए संयुक्त राष्ट्र की ओर से ठोस योजनाओं पर अमल किए जाने की जरूरत महसूस होती रही है क्योंकि इस वैश्विक संस्था का गठन ही दुनिया में अमन-चैन कायम रखने के उद्देश्य के साथ किया गया था लेकिन चिंता की बात है कि इन युद्धों में उसकी निष्क्रियता समूची मानव सभ्यता पर भारी पड़ रही है। भीषण होते इन युद्धों के कारण दुनिया अब दो धड़ों में बंटती जा रही है और संयुक्त राष्ट्र के अधिकांश सदस्य देश भी अब केवल बयान जारी करने से आगे नहीं बढ़ रहे। बहरहाल, यदि अभी भी संयुक्त राष्ट्र के पुनर्गठन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ती है तो यह संस्था आने वाले समय में अपना महत्व खो देगी। सही मायनों में दुनिया की इस सबसे बड़ी पंचायत को अब गंभीर आत्ममंथन की जरूरत के साथ पर्याप्त सुधारों की सख्त दरकार है।

सिर्फ आर्थिक मोर्चे

संभवतः नरेंद्र मोदी सरकार के नीतिकार इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि तमाम रियायतें देने के बावजूद ट्रंप प्रशासन से न्यूनतम उम्मीदें पूरी करा पाना भी संभव नहीं है। और बात सिर्फ आर्थिक मोर्चे की नहीं है। वित्त मंत्री ने स्वीकार किया है कि भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते की बातचीत 'पठार' पर पहुंच गई है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि दोनों पक्ष अब ऐसे बिंदु पर हैं, जहां उनके लिए और रियायतें देना मुश्किल हो रहा है। म्यूनिख सिक्युरिटी कांफ्रेंस जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर उन्होंने कहा कि अमेरिका ने टैरिफ को 'हथियार' बना लिया है। इससे पहले अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रियर ने कहा था कि भारत अमेरिका व्यापार समझौते का संपन्न होना तय नहीं है। उन्होंने बताया कि कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति अभी नहीं बनी है। इन बयानों का अर्थ है कि डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन की एकतरफा रियायतों की मांग पर लगातार राजी होने के बाद आखिर ऐसी सीमा आई है, जिसके आगे झुकना भारत सरकार को मुनासिब महसूस नहीं हो रहा है। संभवतः नरेंद्र मोदी सरकार के नीतिकार इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि तमाम रियायतें देने के बावजूद ट्रंप प्रशासन से न्यूनतम उम्मीदें पूरी करा पाना भी संभव नहीं है। और बात सिर्फ आर्थिक मोर्चे की नहीं है।

एकांगी दृष्टिकोण के असर में मानवाधिकार संगठन

बीस जुलाई के संसद मार्च के पहले तक नीट और दूसरी परीक्षाओं में धांधली रोकने की मांग वाला आंदोलन मर्यादित दायरे में था। हालांकि इस दौरान भी शांत खड़े सुरक्षा बलों के साथ बदसलूकी हुई, प्रधानमंत्री को गंदी-गंदी गालियां देते हुए पोस्टर सार्वजनिक रूप से लहराये गए। इन्हें सोशल मीडिया पर उत्तेजित अंदाज में प्रस्तुत भी किया गया। यह कोई पहला मौका नहीं है, जब भारतीय सुरक्षा बलों और सरकार पर उसकी कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार संगठनों ने सवाल उठाया हो। कश्मीर घाटी में आतंकी मासूम खून बहाते रहे, तब मानवाधिकार संगठनों ने कोई सवाल नहीं उठाया, लेकिन जब भी इन आतंकियों के खिलाफ भारतीय बलों ने कड़ी कार्रवाई की, उनके समर्थकों को सीखचों के पीछे डालना शुरू किया, मानवाधिकार संगठनों को उनके मानवाधिकार की चिंता होने लगी। ऐसे में हालिया आंदोलनों के दौरान भारत सरकार की कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार संगठन सवाल नहीं उठाते तो ही हैरत होती। नीट परीक्षा के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी के बीस जुलाई के संसद मार्च के दौरान जो हिंसा हुई, उसके खिलाफ अगर सुरक्षा बल, ताकत का इस्तेमाल नहीं करते तो बाद में वे ही सवालों के घेरे में होते। संसद से महज दो सौ मीटर की दूरी पर जिस तरह आंदोलन में शामिल असामाजिक और अराजक तत्व उकसाऊ कार्रवाई कर रहे थे, उसमें पुलिस और प्रशासन के पास बल प्रयोग के अलावा कोई दूसरा चारा भी नहीं था। दुनिया की उदार से उदार समझी जाने वाली शायद ही कोई सरकार होती, जो अपनी संसद में उपद्रवियों को घुसने की राह देती। सोचिए अगर, उस दिन उपद्रवी संसद में घुस जाते और भारतीय संसद के साथ कुछ वैसी ही अनहोनी होती, जैसा अभी हालिया प्रदर्शन के दौरान अल्बानिया में हुआ है तो क्या भारतीय लोकतांत्रिक समाज उसे स्वीकार कर पाता? निश्चित तौर पर इन सवालों का जवाब सिर्फ ना है। भारत में हालिया आंदोलनों की शुरूआत नीट परीक्षा में धांधली के विरोध में हुई। इसी दौरान अचानक से एक नई पार्टी 'कॉकरोच जनता पार्टी' बनी और उसके बैनर तले देशभर के युवाओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर डेरा डाल दिया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में आंदोलनों को शॉक ऑब्जर्बर के रूप में देखा जाता है। मर्यादित आंदोलनों और धरना-प्रदर्शनों के जरिए लोकतांत्रिक समाज अपने गुस्से का इजहार करता रहा है। समझदार सरकारें भी सीमित और मर्यादित आंदोलनों को लोगों के गुस्से की अभिव्यक्ति के प्रतीक के रूप में लेती रही हैं। मर्यादित आंदोलनों के जरिए लोक अपना गुस्सा निकालकर शांत हो जाता है। लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि लोक में अराजक तत्व भी होते हैं और वे आंदोलनों की ताक में रहते हैं। लोकतांत्रिक आंदोलनों में वे मौका पाते ही घुस जाते हैं और अराजकता को बढ़ावा देते हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के बीस जुलाई के संसद में मार्च में ऐसा ही हुआ। सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंकने में जेनुइन छात्रों की संख्या कम, अराजक और असामाजिक तत्वों की संख्या ज्यादा रही। इस तथ्य को सुरक्षा बलों ने भी स्वीकार किया है। बीस जुलाई के संसद मार्च के पहले तक नीट और दूसरी परीक्षाओं में धांधली रोकने की मांग वाला आंदोलन मर्यादित दायरे में था। हालांकि इस दौरान भी शांत खड़े सुरक्षा बलों के साथ



बदसलूकी हुई, प्रधानमंत्री को गंदी-गंदी गालियां देते हुए पोस्टर सार्वजनिक रूप से लहराये गए। इन्हें सोशल मीडिया पर उत्तेजित अंदाज में प्रस्तुत भी किया गया। फिर भी सरकारी तंत्र संयमित रहा। सुरक्षा बलों के नरम रूख के पीछे आंदोलन में शामिल युवा रहे। सुरक्षा बलों और प्रशासन को लगता था कि अगर युवाओं के खिलाफ कार्रवाई हुई तो मामला बिगड़ सकता है। लेकिन जैसे ही यह आंदोलन एसआईआर के खिलाफ और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की ओर बढ़ा, इसने राजनीतिक रंग ले लिया। निश्चित तौर पर इस पूरे आंदोलन में छात्र कहीं नेपथ्य में जाते हुए दिखे और मोर्चे पर कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दल दिखे। लेकिन सुरक्षा बलों ने अपना संयम बनाए रखा। चुनाव आयोग पर प्रदर्शन के लिए संसद से निकले विपक्षी सांसदों और उनके समर्थकों को एहतियातन हिरासत में लिया गया। लोगों को जुटने से रोका गया। हो सकता है कि इस दौरान कुछ लोगों के साथ हाथापाई भी हुई हो, किसी को चोट लगी हो। आंदोलन में ऐसा होना स्वाभाविक भी है। दुनिया की कोई भी सरकार आंदोलनकारियों का फूलों से स्वागत नहीं करती। सरकार और सुरक्षा बलों ने जिस तरह संयम दिखाकर सिर्फ हिरासत में लेकर आंदोलन को हिंसक होने से रोकने में सफलता पाई, उसका समाज के एक बड़े हिस्से ने स्वागत भी किया है। आंदोलनकारियों के खिलाफ सड़कों पर उतरी जनता को आसानी से भाजपा का एजेंट कहा जा सकता है। लेकिन त्योहारी मौसम में कारोबारी नुकसान पहुंचा रहे कनॉट प्लेस के कारोबारियों का आंदोलन के विरोध में खड़ा होना मामूली बात नहीं है। इससे साफ हुआ कि जनता भी ऐसे आंदोलनों को पसंद नहीं कर रही। दुर्भाग्य यह है कि चाहे एमनेस्टी इंटरनेशनल हो या फिर ह्यूमनराइट वाच, या संयुक्त राष्ट्र संघ की समिति, उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम, सुरक्षा बलों के संयम, प्रधानमंत्री को दी गई गालियों की ओर ध्यान नहीं दिया। एसआईआर और नीट परीक्षा में धांधली के खिलाफ हुए आंदोलनों के दौरान पुलिस कार्रवाई पर एमनेस्टी इंटरनेशनल और संयुक्त राष्ट्र संघ की समिति एवं विशेषज्ञों का चिंता जताना दरअसल मामले का एक तरफा संज्ञान लेना है। ह्यूमन राइट्स वॉच और संयुक्त राष्ट्र की नस्लीय भेदभाव उन्मूलन समिति यानी यूएनसीईआरडी ने अपनी रिपोर्टों में, देश में धार्मिक अल्पसंख्यकोंके खिलाफ भेदभावपूर्ण नीतियां अपनाने और उनके खिलाफ नफरती भाषण आदि का आरोप लगाया है। ये संगठन विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम यानी एफसीआरए और कड़े आतंकवाद-विरोधी कानूनों, मसलन यूएपीए के दुरुपयोग का भी भारत पर आरोप लगाते रहे हैं। उनका कहना है कि इन नियमों-कानूनों के जरिए मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, एनजीओ और आलोचकों की आवाज दबाई जा रही है। साथ ही, सरकार की आलोचना करने वाले पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को निशाना बनाया जा रहा है, जिससे स्वतंत्र पत्रकारिता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दायरा सिकुड़ रहा है। मानवाधिकार संगठन चाहे जो भी कहें, लेकिन विशेषकर राजधानी दिल्ली में जिस तरह सुरक्षा बलों ने खुद पर हुए हमलों के बावजूद जवाबी कार्रवाई में संयम दिखाया, उसकी तारीफ होनी चाहिए। दरअसल श्रेष्ठताबोध से ग्रस्त पश्चिमी समाज और उसके कथित मानवाधिकार संगठनों का नजरिया विशेषकर तीसरी दुनिया के देशों के लिए एकतरफा ही रहा है। बेशक भारत आर्थिक रूप से दुनिया की चौथी बड़ी शक्ति बन चुका है, लेकिन अब भी भारत को लेकर उनकी सोच पुरानी ही है। जिसे अब देश की अधिसंख्य जनता समझने लगी है, इसीलिए अब ऐसे आरोपों और पर्यवेक्षणों से भारतीय मानस उस तरह प्रभावित नहीं होता, जैसा अतीत में होता रहा है।

आत्मघाती कड़वाहटः हताशा में मर्यादा की लक्ष्मण रेखा भूली कांग्रेस



घटनाक्रम की पृष्ठभूमि को देखें तो यह पहली बार नहीं है जब देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल के सर्वोच्च पद पर बैठे नेता की जुबान फिसली हो। चुनावी रैलियों या राजनीतिक मंचों पर तात्कालिक तालियां बटोरने या कार्यकर्ताओं में जोश भरने के उत्साह में अक्सर नेता अपनी सीमाएं लांघ जाते हैं। भारतीय लोकतंत्र का इतिहास वैचारिक असहमतियों, तीखे तर्कों और धारदार बहसों से समृद्ध रहा है। संसद से लेकर सड़क तक, देश ने दक्षिणपंथ से लेकर वामपंथ और क्षेत्रीय अस्मिताओं के बीच बड़े-बड़े वैचारिक द्वंद्व देखे हैं। लेकिन, अतीत में इन सभी बहसों की एक अंतर्निहित मर्यादा होती थी। राजनीतिक विरोधी एक-दूसरे की नीतियों पर प्रहार करते थे, चरित्र और मर्यादाओं पर नहीं। दुर्भाग्य से, समकालीन राजनीति ने संवाद की उस समृद्ध परंपरा को हाशिए पर धकेल दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके दिवंगत पिता को लेकर की गई एक बेहद विवादित टिप्पणी ('मोदी का बाप भी जाएगा') और उसके बाद आज पूरे देश में मचा सियासी बवाल इसी कड़वी हकीकत की तस्दीक करता है। पटना के एक कार्यक्रम में सामने आए इस बयान ने न केवल एक बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है, बल्कि यह सवाल भी नए सिरे से उठा दिया है कि क्या देश का राजनीतिक नेतृत्व जन-सरोकारों से ध्यान भटकाने के लिए भाषा की मर्यादा की बलि चढ़ाने पर आमादा है? घटनाक्रम की पृष्ठभूमि को देखें तो यह पहली बार नहीं है जब देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल के सर्वोच्च पद पर बैठे नेता की जुबान फिसली हो। चुनावी रैलियों या राजनीतिक मंचों पर तात्कालिक तालियां बटोरने या कार्यकर्ताओं में जोश भरने के उत्साह में अक्सर नेता अपनी सीमाएं लांघ जाते हैं। पटना की सभा में जब भीड़ से किसी ने नारा लगाया या कुछ कहा, तो उसके जवाब में कांग्रेस अध्यक्ष का आपा खोना और प्रधानमंत्री के उस दिवंगत पिता तक पहुंच जाना, जो कभी राजनीति का हिस्सा ही नहीं रहे, किसी भी सभ्य समाज और स्वस्थ लोकतंत्र में स्वीकार्य नहीं माना जा सकता। आज इसी का नतीजा है कि भारतीय जनता पार्टी देश भर के सभी राज्य मुख्यालयों में इसके खिलाफ राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन कर रही है, पटना की अदालतों में शिकायतें दर्ज हो रही हैं और संसद से लेकर सड़कों तक का माहौल एक बार फिर वैचारिक विमर्श के बजाय व्यक्तिगत प्रतिशोध की आग में झुलस रहा है। इस पूरे विवाद में दोनों पक्षों की अपनी-अपनी दलीलें और रणनीतियां हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नितिन गडकरी जैसे भाजपा के शीर्ष नेताओं ने इसे लोकतंत्र की न्यूनतम मर्यादाओं को तार-तार करने वाला कृत्य करार दिया है। सत्ता पक्ष का तर्क है कि जब विपक्ष नीतियों के मोर्चे पर सरकार को घेरने में नाकाम रहता है, तो वह व्यक्तिगत कुंठा और हताशा में इस तरह के आक्षेपों पर उतर आता है। दूसरी तरफ, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस और उसके समर्थकों की ओर से सफाई पेश की जा रही है कि इस बयान को संदर्भ से काटकर देखा जा रहा है। उनका कहना है कि मल्लिकार्जुन खड़गे का इरादा किसी के स्वर्गीय पिता का व्यक्तिगत अपमान करना नहीं था, बल्कि वे एक वैचारिक संदर्भ (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या सरकार की नीतियां) में अपनी तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया दे रहे थे। लेकिन क्या राजनीति में 'संदर्भ' की आड़ लेकर व्यक्तिगत गरिमा पर चोट करने की छूट दी जा सकती है? यह एक ऐसा बुनियादी सवाल है, जिससे कोई भी दल बच नहीं सकता। इस मुद्दे का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू इसका भौगोलिक और राष्ट्रीय विस्तार है। मल्लिकार्जुन खड़गे स्वयं दक्षिण भारत (कर्नाटक) के एक बेहद वरिष्ठ और जमीनी नेता हैं, जिन्होंने दशकों तक संसदीय राजनीति को करीब से देखा है। वहीं, यह घटना उत्तर भारत के राजनीतिक रूप से सबसे जागरूक राज्य बिहार (पटना) में घटित हुई। ऐसे में यह केवल एक क्षेत्रीय विवाद नहीं रह जाता, बल्कि यह उत्तर से लेकर दक्षिण तक पूरे देश के जागरूक मतदाताओं को प्रभावित करता है। दक्षिण भारत की राजनीति आमतौर पर नीति-गत मुद्दों, कल्याणकारी योजनाओं और क्षेत्रीय गौरव पर केंद्रित मानी जाती रही है, जबकि उत्तर भारत की राजनीति में भाषा और प्रतीकों का बहुत बड़ा महत्व होता है। जब दक्षिण से आने वाला एक शीर्ष नेता उत्तर भारत की धरती पर खड़े होकर देश के प्रधानमंत्री के परिवार पर ऐसी टिप्पणी करता है, तो इसका राजनीतिक और सामाजिक असर बहुत व्यापक हो जाता है। यह पूरे देश के पाठकों को यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हमारी राजनीति का भाषाई स्तर वाकई रसातल की ओर जा रहा है? भाषा की यह गिरावट किसी एक दल या एक नेता तक सीमित नहीं है। अगर हम निष्पक्ष होकर देखें तो पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति के शब्दकोश में 'राक्षस', 'दीमक', 'गद्दार', 'खून का दलाल' और न जाने कितने ही अमर्यादित शब्द शामिल हो चुके हैं। एक दल जब मर्यादा लांघता है, तो दूसरा दल उससे दो कदम आगे बढ़कर जवाब देता है। यह एक ऐसा दुष्चक्र बन चुका है, जिसमें जीत किसी की नहीं हो रही, बल्कि पराजय सिर्फ और सिर्फ भारतीय लोकतंत्र की हो रही है। जब देश के शीर्ष नेता सार्वजनिक मंचों से एक-दूसरे के प्रति इस कदर कड़वाहट और व्यक्तिगत द्वेष का प्रदर्शन करेंगे, तो जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक टकराव और घृणा को कैसे रोका जा सकता है? सोशल मीडिया के इस दौर में, जहाँ एक-एक शब्द सेकंडों में करोड़ों लोगों तक पहुँचता है, नेताओं की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। एक जीवंत और परिपक्व लोकतंत्र की पहचान इस बात से होती है कि वहाँ की जनता के बुनियादी मुद्दों पर कितनी गंभीर चर्चा होती है। आज जब देश के सामने युवाओं की बेरोजगारी, बदलती अर्थव्यवस्था, महंगाई, आंतरिक सुरक्षा और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सेना की गश्ती जैसी गंभीर राष्ट्रीय चुनौतियाँ हैं, तब मुख्यधारा की राजनीति का कई दिनों तक केवल एक बयान पर अटक जाना देश के समय और संसाधनों की बर्बादी है। देश का युवा, चाहे वह उत्तर प्रदेश और बिहार की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा हो या बेंगलुरु और हैदराबाद के आईटी सेक्टर में अपनी नौकरियां बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा हो, वह अपने नेताओं से यह उम्मीद करता है कि वे संसद और मंचों से रोजगार सृजन, आर्थिक नीतियों और भविष्य के भारत का खाका पेश करें। इसके विपरीत, उन्हें देखने को मिलती है तो सिर्फ व्यक्तिगत कीचड़ उछालने की राजनीति। राजनीति में शुचिता और मर्यादा का संकट केवल चुनाव जीतने या हारने तक सीमित नहीं है।

आज का राशि फल



मेष राशिः आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। आज खास लोगों के बीच किसी नई गतिविधि को लेकर गंभीर चर्चा होगी, जो कि सकारात्मक रहेगी। आज किसी मामले को लेकर विचारों में भावुकता रहेगी। आज कुछ लोग जलन की भावना से आपकी आलोचना कर सकते हैं।

वृष राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज व्यवसायिक काम समय पर बनते जाएंगे। विदेश संबंधी व्यवसाय में परिस्थितियां आपके अनुकूल होने के आसार हैं। आज ऑफिस में सहयोगियों की कार्यकुशलता से टारगेट समय पर पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशिः आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेगी। आज रोजमर्रा के कामों से हटकर कुछ नया सीखने में समय बीतेगा। प्रॉपर्टी या वाहन की खरीददारी में लाभ की बेहतर स्थिति बनेगी। आध्यात्म और धार्मिक गतिविधियों में आपका रुझान बढ़ेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। थोड़ी सी बात पर परेशान होने के बजाय उसका हल ढूंढने की कोशिश करेंगे तो आपको सलूशन मिल जायेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज व्यवसाय में अतिरिक्त आय का साधन बनने वाला है। अगर आपका साझेदारी में बिजनेस करने का प्लान है तो ये डील आपके लिए फायदेमंद होगी। अधिकतर समय मार्केटिंग और बाहर की गतिविधियों में बीतेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी कर रहे लोग अपने कार्यभार से संतुष्ट रहेंगे। आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज ध्यान रखें कि अगर प्रयासरत कार्यों में समस्या आती है तो इसकी वजह आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम हल होगा। आज नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और आलस की स्थिति से बचेंगे तो आपका काम समय से पूरा हो जायेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज कार्यों को सुचारु रूप से करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। हालांकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी काफी समस्याएं हल हो जाएंगी। इस समय नया कार्य शुरू न करें, आज के कामों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे। ऑफिस में आपका प्रभुत्व बना रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु राशिः आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। साथ ही आय बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज आप लेनदेन को स्थगित रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी ऑफिशियल यात्रा संभव है।

कुंभ राशिः आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपका दिन खुशनुमा बीतेगा। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है, आपके काम की शिकायत कर सकता है। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए।

मीन राशिः आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुये है। आज व्यक्तिगत काम के समय आप घबराने की बजाय परिस्थितियों का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे और इसमें आप सफल भी होंगे। परिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा।

पूर्व आईएएस राम बहादुर पासी समेत कई नेता हुए सपाई

जॉइनिंग से पूरब-पश्चिम हिल गया : अखिलेश



लखनऊ, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान विभिन्न दलों से आए नेताओं का स्वागत किया। पूर्व आईएएस राम बहादुर पासी, कुशाग्र शाक्य, विनोद शाक्य और बसपा से जुड़े राम बहादुर पाल समेत कई नेताओं ने सपा की सदस्यता ग्रहण की।

अखिलेश यादव ने कहा कि नई जॉइनिंग से पूरब से पश्चिम तक राजनीतिक हलचल हुई है। उन्होंने नए साथियों को पीडीए का पिलर बताते हुए कहा कि आने वाले समय में जीत बड़ी होने जा रही है। दारा सिंह प्रजापति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, "जिनके साथ दारा होंगे, अखाड़ा वही जीतेंगे।" उन्होंने राम नाम का जिक्र करते हुए कहा, "जिनके नाम में राम जुड़ा हो, उनके बन जाएंगे सब काम।"

सरकार बनी तो वाल्मीकि जयंती पर देंगे छुट्टी

अखिलेश यादव ने महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर अवकाश देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर आउटसोर्सिंग व्यवस्था खत्म की जाएगी और सफाई कर्मचारियों के हित में विशेष घोषणा की जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि गरीब परिवारों को उनके घरों का मालिकाना हक दिलाने की दिशा में काम किया जाएगा। जिन गरीबों के पास घर नहीं हैं, उनके लिए अलग से आवास बनाकर देने की व्यवस्था की जाएगी।

वोटर लिस्ट में एक नाम की कई जिलों में एंट्री

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर भाजपा और चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा वोटर लिस्ट में धांधली और वोट डकैती कर रही है। अखिलेश ने कहा कि एक ही नाम की कई जिलों में एंट्री सामने आ रही हैं और मतदाता सूची को लेकर आयोग की जिम्मेदारी है कि कोई पात्र मतदाता छूटे नहीं और किसी गलत नाम की एंट्री न हो। अखिलेश यादव ने मतदाता सूची को आधार से जोड़ने और बूथ स्तर पर बायोमेट्रिक व्यवस्था लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मतदाता पहचान पत्र ऐसा होना चाहिए, जिसकी नकल बनाना आसान न हो। उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग के बीच मिलीभगत का आरोप भी लगाया। अखिलेश ने कुछ नामों के उदाहरण देते हुए मतदाता सूची में बड़ी संख्या में एंट्री होने का दावा किया। उन्होंने कहा कि आयोग को तकनीक की मदद से ऐसी गड़बड़ियों की जांच करनी चाहिए।

कानून-व्यवस्था और आरक्षण को लेकर सरकार पर निशाना

सपा अध्यक्ष ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें कुछ हत्याओं के कारणों की जानकारी नहीं है, लेकिन उनके अनुसार देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति सबसे खराब है। उन्होंने आरक्षण में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाते हुए टीजीटी भर्ती का भी जिक्र किया।

पुलिस ने पिस्टल तानी, नदी में कूदा युवक, मौत

ओर्म्स एक्ट में आरोपी था, भाई बोला- डूबता रहा, पुलिस ने बचाने की कोशिश तक नहीं की

बेगूसराय, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। बेगूसराय में पुलिस से बचने के लिए एक युवक ने बूढ़ी गंडक में छलांग लगा दी। नदी के गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक पुलिस ने उस पर राइफल तान दी, जिसके डर से वह नदी में कूद गया।

मामला डंडारी थाना क्षेत्र के राजोपुर गांव का है। पुलिस शराब तस्करों की तलाश में पहुंची थी। युवक पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज थे। वो पुलिस को देखते ही भागने लगा था।

इस घटना के बाद से पूरे इलाके में भारी तनाव का माहौल है। गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाते हुए शव को कटरमाला बांध स्थित मुख्य सड़क पर रखकर विरोध-प्रदर्शन किया।

पटीदारों के बीच जमकर मारपीट

आपसी रंजिश में लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चले, किशोरी समेत 12 घायल

मोतिहारी, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मोतिहारी के सुगौली थाना क्षेत्र में आपसी रंजिश को लेकर दो पटीदार परिवारों के बीच जमकर मारपीट हुई है। इस दौरान दोनों पक्षों में लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चले, जिसमें एक किशोरी समेत करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हमला करते नजर आ रहे हैं।

घटना सुगौली प्रखंड की उत्तरी छपरा बहास पंचायत के भवानीपुर गांव की है। बताया जा रहा है कि गांव में दो पाटीदार परिवारों के बीच पूर्व से ही किसी बात को लेकर विवाद चला आ रहा था।

रविवार को इसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों में पहले कहासुनी हुई और देखते ही देखते बात इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्ष लाठी-डंडा और ईंट-पत्थर लेकर आमने-सामने आ गए। मारपीट की इस घटना में दोनों पक्षों से कई लोग घायल हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार एक पक्ष से पलटू सहनी, मुनीलाल सहनी, भोलालाल सहनी, अकलू सहनी, चंदन सहनी, राजेंद्र सहनी और बिट्टू कुमारी समेत अन्य लोग घायल हुए हैं। वहीं दूसरे पक्ष से भी तीन से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना है। घायलों में एक किशोरी भी शामिल है। घटना के बाद गांव में अफरातफरी मच गई और चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए।

सभी घायलों को आनन-फानन में इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुगौली में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इधर, मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस भी हरकत में आ गई है।

भाजपा और सपा के कार्यकर्ता भिड़े

आगरा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगरा खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के तीन बूथों पर सोमवार सुबह 8 बजे से दोबारा मतदान हो रहा है। दोपहर करीब 2 बजे खेरागढ़ में भाजपा और सपा कार्यकर्ताओं के आपस में भिड़ गए।

घटना के बाद मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। इसके बाद पुलिस ने स्थिति संभाली। तीनों बूथों पर कुल 2,346 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। फतेहाबाद, सैंया और खेरागढ़ के एक-एक बूथ पर शाम 4 बजे तक वोट डाले जाएंगे। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल की शिकायत के बाद चुनाव आयोग ने री-पोल कराने के आदेश दिए थे। 23 अक्टूबर को हुए मतदान के दौरान प्रत्याशी ने बूथ कैप्चरिंग और मतपत्रों से छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे। शिकायत की जांच और अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर दोबारा मतदान कराने का फैसला लिया गया।

टीचर का इकलौता बेटा ओवरब्रिज से नीचे गिरा

शव देखकर मां-बाप बेहोश, नया गिटार खरीदकर बाइक से लौट रहा था

संतकबीर नगर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। संतकबीरनगर में टीचर के इकलौते बेटे की ओवरब्रिज से 30 फीट नीचे गिरकर मौत हो गई। किशोर सड़क पर औंधे मुंह गिरा।

वह नया गिटार खरीदकर बाइक से वापस लौट रहा था। हादसा रविवार देर रात करीब 12 बजे हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और परिजनों को घटना की जानकारी दी। बेटे का शव देख माता-पिता बेहोश हो गए। मृतक की पहचान शाश्वत राय (17) के रूप में हुई है। पिता संजय राय सरकारी और मां अनिता राय प्राइवेट स्कूल में टीचर हैं। हादसा खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र में हुआ। शाश्वत इलाहाबाद में रहकर पढ़ाई कर रहा था। मूलरूप से मेंहदावल के अव्वल केवटलिया मोहल्ले में रहता था। पिछले पांच साल से मां-बाप और 4 साल की बहन खलीलाबाद शहर में किराए के मकान में रह रहे थे।



बेटा शाशवत राय अपनी मां के साथ

पिता की तैनाती मेंहदावल विकासखंड के कंपोजिट विद्यालय, गगनई बाबू में है। मां ब्लूमिंग बड्स स्कूल में पढ़ाती हैं। परिजनों के मुताबिक, शाश्वत रात करीब 8 बजे घर से गिटार लेने के लिए बाइक लेकर निकला था।

शाश्वत के चाचा संजित राय ने बताया कि उनका भतीजा गिटार लेकर वापस घर आ रहा था। नूर मस्जिद के सामने से ओवरब्रिज से गुजरते समय पीछे से किसी गाड़ी ने टक्कर मार दी, जिससे वह फ्लाईओवर से नीचे गोलाबाजार के पास पेट्रोल पंप के सामने सड़क पर गिर गया। उन्होंने बताया- नवरात्रि से दो दिन पहले वह घर आया था। सोमवार को वापस इलाहाबाद जाने वाला था। उसके जाने के लिए सामान की पैकिंग भी हो चुकी थी। घर से निकलते हुए शाश्वत ने मां से कहा था कि दो मिनट में गिटार लेकर आ रहा हूं। चाचा ने बताया- वह पढ़ाई में होनहार था। हाईस्कूल में 92.4% अंक हासिल किए थे। डीएम ने सम्मानित भी किया था। उसका सपना इंजीनियर बनने का था। उसने आईईआरटी की परीक्षा में 500वीं रैंक हासिल की थी।

अनंत सिंह की सदस्यता रद्द कराने विधानसभा पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष

स्पीकर को 10 पन्नों वाला अनुशंसा पत्र सौंपा; पत्नी नीलम देवी से राज्यमंत्री का दर्जा छीना



पटना, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। जेडीयू से निष्कासित मोकामा विधायक अनंत सिंह के खिलाफ पार्टी एक के बाद एक कड़े कदम उठा रही है। सोमवार सुबह उनकी पत्नी नीलम देवी को 20 सूत्री समिति के सदस्य पद से हटा दिया गया। इसके साथ ही नीलम देवी से राज्य मंत्री का दर्जा भी वापस ले लिया गया है।

अब जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा विधानसभा पहुंचे और स्पीकर को अनंत सिंह की सदस्यता समाप्त करने की अनुशंसा वाले पत्र पर क्या एक्शन हुआ, इसकी जानकारी ली। उमेश कुशवाहा ने सदस्यता समाप्त करने की मांग के समर्थन में 10 पन्नों के दस्तावेजी सबूत और वीडियो भी सौंपे हैं। अब स्पीकर सौंपे गए दस्तावेजों और वीडियो की समीक्षा के बाद फैसला लेंगे। शनिवार को जेडीयू ने अनंत सिंह और उनकी पत्नी नीलम देवी को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। दरअसल, एमएलसी चुनाव के दौरान अनंत सिंह ने पार्टी लाइन से अलग जाकर जनसुराज के अनुज सिंह का साथ दिया और पार्टी प्रत्याशी नीरज कुमार के खिलाफ खुलकर बगावत की। पार्टी से निकाले जाने के बाद बिहार की सियासत गरमा गई। निष्कासन के बाद अनंत सिंह ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। दिल्ली में अनंत सिंह से जुड़े सवाल को ललन सिंह-संजय झा टाल गए। जेडीयू के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और संजय झा दिल्ली में साथ नजर आए। दोनों जेडीयू नेताओं से अनंत सिंह के बारे में सवाल पूछा तो उन्होंने चुप्पी साध ली।

बता दें कि अनंत सिंह को समझाने की जिम्मेदारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने ललन सिंह को दी थी। इस दौरान ललन सिंह ने स्पष्ट तौर पर कह दिया कि वह इस मामले में कुछ नहीं कर सकते। उन्होंने भी कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान नीरज कुमार ने अनंत सिंह के खिलाफ काम किया था, तब पार्टी ने नीरज पर एक्शन क्यों नहीं लिया।

कलेक्शन कर लौट रहे कर्मचारी से 5.28 लाख लूटे

गयाजी, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। गयाजी में रविवार शाम हथियार दिखाकर 5.28 लाख रुपए लूट लिए गए। बाइक सवार तीन बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ने कहा कि अपराधियों ने पिस्टल दिखाकर मुझे रोका, फिर रुपए से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, पीड़ित इमामगंज स्थित लक्ष्मी एंटरप्राइजेज में अभिषेक कुमार कर्मचारी हैं। शाम करीब 6 बजे वह जमुना-बसेता के समीप बाइक से पहुंचे। इसी दौरान बाइक सवार तीन नकाबपोश अपराधियों ने उनका पीछा किया। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी।

होटल में अचानक गिरी बैंक मैनेजर की पत्नी

झांसी, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। झांसी के एक होटल में बैंक मैनेजर की पत्नी की मौत हो गई। दोनों की 4 महीने पहले ही शादी हुई थी। शनिवार को होटल में कमरा बुक करके रुके थे।

अगले दिन चेकआउट की तैयारी कर रहे थे। तभी कमरे के दरवाजे पर खड़ी पत्नी अचानक पीछे की तरफ सिर के बल गिर पड़ी, जिससे उसका सिर फट गया।

फर्श पर खून फैल गया। पति उसे उठाकर कमरे में ले गया और फिर होटल स्टाफ की मदद से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला सीपरी बाजार थाना क्षेत्र का है।

दिनदहाड़े एक परिवार के 3 लोगों की हत्या

बाप-बेटे और भाई को ताबड़तोड़ गोलियां मारीं, चबूतरे के विवाद में वारदात

लखनऊ, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। लखनऊ में सोमवार को दिनदहाड़े एक परिवार के तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतकों में आरएसएस के पूर्व जिला सर कार्यवाह, उनके छोटे भाई और कारोबारी बेटा शामिल हैं। पिता और बेटे की मौके पर मौत हो गई, जबकि भाई ने ट्रॉमा सेंटर में दम तोड़ दिया।

मामला सआदतगंज थाना क्षेत्र के नौबस्ता का है। मृतकों की पहचान पूर्व जिला सर कार्यवाह एवं सचिवालय के रिटायर्ड कर्मचारी शिवाजी तिवारी (62), उनके भाई शंभू उर्फ शिवेंद्र तिवारी (57) और बेटे सुयश तिवारी (30) के रूप में हुई है। शंभू लखनऊ विश्वविद्यालय में कर्मचारी थे, जबकि सुयश इलेक्ट्रिक सामानों का कारोबार करते थे। उनकी शादी 5 दिसंबर को होनी थी।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, घर के सामने बरगद के पेड़ के नीचे चबूतरा बनाने को लेकर पड़ोसी ऋषभ शुक्ला से विवाद चल रहा था। डेढ़ महीने पहले मामला थाने पहुंचा था, जिसके बाद काम रुक गया था। सुयश ने सोमवार को चबूतरा के पास गाड़ी पार्क कर दी थी। सुयश के चाचा शंभू निकले तो ऋषभ से विवाद हुआ। इसी बीच शिवाजी तिवारी भी निकले। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तैस में आकर ऋषभ ने दोनों को गोली मार दी। गोलियों की आवाज सुनकर बाहर आए सुयश को घर के पास सीढ़ियों पर गोली मार दी। आरोपी ऋषभ (30) मर्चेंट नेवी में नेविगेशन अफसर था। बताया जा रहा है कि उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके पर 50-60 पुलिसकर्मी तैनात हैं। दोनों के घरों के सामने भी फोर्स लगाई गई है।

पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा ने बताया- आरोपी को पुलिस ने पिस्टल सहित हिरासत में ले लिया है। पार्किंग को लेकर विवाद था।

दरभंगा में 'न्यूरो सर्जन' लिखी क्लीनिक सील

डॉक्टर नहीं दिखा सके डिग्री-सर्टिफिकेट, अवैध रूप से हो रहा था संचालित

दरभंगा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। दरभंगा में स्वास्थ्य विभाग ने बिना वैध लाइसेंस संचालित किए जा रहे एक निजी क्लीनिक के खिलाफ कार्रवाई की है। बेंता थाना क्षेत्र के अस्पताल रोड स्थित डॉ. नक्की की क्लीनिक को दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर तत्काल सील कर दिया गया।

क्लीनिक के बाहर न्यूरो सर्जन लिखा हुआ था, लेकिन जांच के दौरान डॉक्टर अपनी डिग्री और प्रमाणपत्र टीम के समक्ष प्रस्तुत नहीं कर सके। अब स्वास्थ्य विभाग उनके प्रमाणपत्रों की जांच करेगा।

यूपी विधान परिषद चुनाव: सात जगहों पर होगी वोट की गिनती

27 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से शुरू होगी मतगणना

लखनऊ, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की स्नातक की पांच और शिक्षक की छह निर्वाचन सीटों के द्विवार्षिक चुनाव-2026 की मतगणना मंगलवार, 27 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से शुरू होगी। मतगणना संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर की उपस्थिति में निर्धारित केंद्रों पर कराई जाएगी।

किस सीट की मतगणना कहां होगी?

लखनऊः स्नातक सीट की मतगणना हॉल नंबर 7 और शिक्षक सीट की हॉल नंबर 8 में रमाबाई रैली स्थल, लखनऊ में होगी।

वाराणसीः स्नातक सीट की मतगणना हॉल नंबर 1 और शिक्षक सीट की हॉल नंबर 2 में स्टेट वेयरहाउस कॉरपोरेशन, वाराणसी में होगी।



आगराः स्नातक सीट की मतगणना हॉल नंबर 1 और शिक्षक सीट की हॉल नंबर 2 में नवीन कृषि उत्पादन मंडी समिति, टूंडला रोड, आगरा में होगी।

मेरठः स्नातक सीट की मतगणना हॉल A और शिक्षक सीट की हॉल B में गांधी हॉल बिल्डिंग, सरदार वल्लभभाई पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, मोदीपुरम, मेरठ में होगी।

इलाहाबाद-झांसी स्नातक सीटः मतगणना हॉल नंबर 1, कोठारी हॉल, बुंदेलखंड डिग्री कॉलेज, झांसी में होगी।

बरेली-मुरादाबाद शिक्षक सीटः मतगणना हॉल नंबर 1, संजय कम्युनिटी हॉल, बरेली में होगी।

गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक सीटः मतगणना हॉल नंबर 1 और 2, पंडित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कॉमर्स बिल्डिंग, गोरखपुर में होगी।

बिहार बीजेपी अध्यक्ष बोले-कान पकड़कर माफी मांगें खड़गे

पटना, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पीएम मोदी पर दिए गए बयान को लेकर बिहार बीजेपी आज सड़क पर है। पार्टी ऑफिस से प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने विरोध मार्च निकाला। इस दौरान 'बुजुर्ग खड़गे शर्म करो, अपशब्द बोलना बंद करो' जैसे नारे लिखे बैनर-पोस्टर के साथ नारेबाजी की गई। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, राहुल-खड़गे को पूरे देश से कान पकड़कर, उठक-बैठक लगाकर माफी मांगनी चाहिए। पीएम मोदी को अपशब्द कहने पर मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। बता दें, रविवार को पटना में कांग्रेस के कार्यक्रम में खड़गे ने कहा, 'मोदी क्या, मोदी का बाप भी जाएगा।' खड़गे ने यह बात एक कार्यकर्ता के जवाब में कही। कार्यकर्ता ने कहा था कि मोदी जी नहीं जाने वाले हैं। जब तक देश में विद्रोह नहीं होगा, मोदी सरकार नहीं हटेगी। इस पर वहां मौजूद लोगों ने उस शख्स की पिटाई कर दी।

बहन की हत्या करके लाश दफनाई, हिंदू युवक से लव-मैरिज करने से नाराज था

मथुरा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मथुरा में दूसरे धर्म के युवक से लव मैरिज करने पर भाई ने बहन की गला दबाकर हत्या कर दी। उसके बाद शव को दफना दिया। पति ने राजस्थान से पत्नी को फोन किया तो उसका फोन बंद मिला। 15 दिन तक काफी कोशिश के बाद भी जब उससे सम्पर्क नहीं हो पाया तो उसने पत्नी के घरवालों से फोन करके उसके बारे में पूछा। पहले तो वे टालमटोल करते रहे फिर फोन उठाना बंद कर दिया। उसे अनहोनी का शक हुआ। जिसके बाद उसने पत्नी के अपहरण किए जाने की सूचना राजस्थान के झुंझुनू थाने की पुलिस को दी।

राजस्थान पुलिस ने मामले की जांच के लिए मथुरा पुलिस के पास 23 अक्टूबर को मेल भेज दिया। उसके बाद मथुरा के थाना गोविंद नगर पुलिस छानबीन में जुट गई। पुलिस ने पहले युवती के घरवालों से पूछताछ की। वे गोलमोल जवाब देते रहे। पहले कहा कि वे नहीं जानते हैं लड़की कहां हैं। लेकिन बाद में भाई ने बताया की करंट लगने से बहन की मौत हो गई है। 24 अक्टूबर की रात को ही शक के आधार पर पुलिस ने भाई को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने जब उससे पूछताछ की तो वो एक ही बात कहता रहा कि करंट लगने से बहन की मौत हुई है लेकिन जब पुलिस ने सख्ती की तो बताया कि उसने बहन की गला दबाकर हत्या कर दी थी और शव को कब्रिस्तान में दफना दिया है।

दुनिया के टॉप 10 संग्रहालयों में बिहार म्यूजियम

एशिया में मिला पहला स्थान, 'वर्थ अ जर्नी' की वर्ल्ड रैंकिंग में 9वें पायदान पर

पटना, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को इंटरनेशनल लेवल पर नई पहचान मिली है। राजधानी पटना स्थित बिहार म्यूजियम को साल 2026 की वैश्विक रैंकिंग में दुनिया के 100 सर्वश्रेष्ठ संग्रहालयों में नौवां स्थान और एशिया में पहला स्थान मिला है। यह रैंकिंग जर्मनी के म्यूनिख से संपादित अंतरराष्ट्रीय यात्रा मार्गदर्शिका और पत्रिका 'वर्थ अ जर्नी' की ओर से प्रकाशित की गई है।

जानकारी के अनुसार, इस रैंकिंग के लिए 140 से अधिक देशों के 3,700 से ज्यादा पर्यटन और सांस्कृतिक स्थलों का मूल्यांकन किया गया। इसके बाद 37 श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ स्थलों की सूची तैयार की गई। संग्रहालय श्रेणी में बिहार म्यूजियम को उसकी आधुनिक वास्तुकला, ऐतिहासिक धरोहरों और विशिष्ट कलाकृतियों के आधार पर स्थान मिला है। संग्रहालय के अपर निदेशक अशोक कुमार सिन्हा ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए इसे गौरवपूर्ण बताया।



बिहार संग्रहालय में राज्य के इतिहास और सांस्कृतिक विकास को विभिन्न दीर्घाओं के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। यहां पाषाण काल से लेकर आधुनिक युग तक की विरासत को मूर्तियों, प्राचीन सिक्कों, पांडुलिपियों और लोक कलाओं के जरिए समझने का अवसर मिलता है। इतिहास और प्राचीन कला में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिए यह प्रमुख आकर्षण है।

संग्रहालय का विशाल परिसर, खुले आंगन, चिल्ड्रेंस गैलरी और क्षेत्रीय लोक कला गैलरी भी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। यहां लघु ऐतिहासिक फिल्मों के माध्यम से भी बिहार की विरासत से परिचित कराया जाता है। आधुनिक स्थापत्य और पारंपरिक धरोहरों का संयोजन इसे राज्य के महत्वपूर्ण सांस्कृतिक केंद्रों में शामिल करता है।

बैंकॉक का सफर होगा आसान, इंडिगो की पहली नॉन-स्टॉप उड़ान शुरू

गया जी, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवाओं का विस्तार हो रहा है। अब आप गयाजी से सीधे बैंकॉक की उड़ान सरलता से भर सकेंगे। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गया जी से बैंकॉक के लिए इंडिगो एयरलाइंस की पहली नॉन-स्टॉप अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवा (6E 1083) को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस नई हवाई सेवा से बिहार की अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी। विशेष रूप से मगध क्षेत्र में पर्यटन व आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में लगातार विस्तार किया जा रहा है। इससे अंतरराष्ट्रीय संपर्क व सुदृढ़ होगा। साथ ही भगवान बुद्ध की ज्ञान एवं करुणा की भूमि बिहार और थाईलैंड के बीच धार्मिक, सांस्कृतिक तथा पर्यटन संबंधों को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गया जी विश्वभर के बौद्ध श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए विशेष महत्व रखता है। सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ान उपलब्ध होने से विदेशों से आने वाले पर्यटकों को सुविधा मिलेगी और बोधगया सहित पूरे मगध क्षेत्र की पर्यटन संभावनाओं का विस्तार होगा। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था, होटल, परिवहन, हस्तशिल्प तथा अन्य पर्यटन आधारित व्यवसायों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि बिहार की समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए बेहतर हवाई संपर्कता महत्वपूर्ण है।

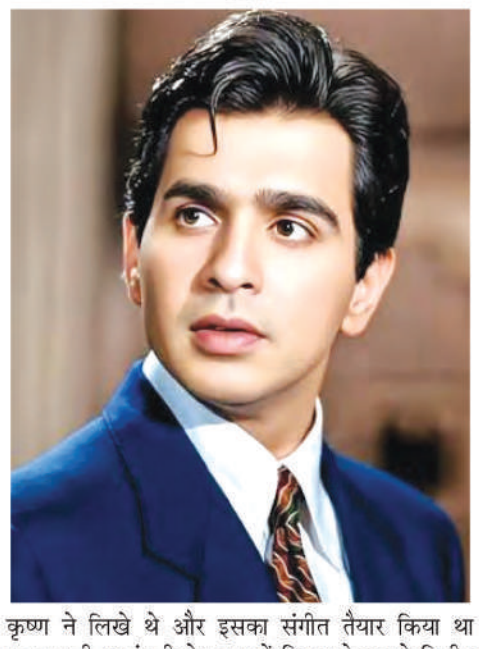
56 साल पुराना दिलीप कुमार का सुपरहिट गाना

कौवे-हंस के जरिए बताई कलयुग की सच्चाई, महेंद्र कपूर की आवाज ने बनाया अमर

हिंदी सिनेमा के 70s के दशक में कुछ ऐसे गाने बने हैं, जो सिर्फ आपको एंटरटेन नहीं करते बल्कि जीवन की सच्चाई भी बताते हैं। आज हम 70 के दशक के एक ऐसे ही गाने की बात करेंगे जिसको सुनकर आज भी लोग अपने आसपास की दुनिया से जोड़ने लगते हैं। 1970 में एक ऐसा गाना आया जिसमें कलियुग की सच्चाई बताई गई है। बात हो रही है फिल्म 'गोपी' की जिसमें दिलीप कुमार और सायरा बानो ने अभिनय किया। फिल्म के एक गाने में समाज को आईना दिखाने वाली रचना भी शामिल की गई है। कहीं सही और गलत की पहचान पर सवाल है, तो कहीं ऐसे लोगों पर तंज, जो अपनी जगह के हकदार नहीं होते हैं। तो चलिए जामते हैं इस गाने की खासियत।

महेंद्र कपूर की आवाज ने गाने को बनाया खास

साल 1970 में आई फिल्म 'गोपी' का गाना 'रामचंद्र कह गए सिया से, ऐसा कलियुग आएगा' जिसे महेंद्र कपूर ने अपनी दमदार आवाज में गाया था। गाने के बोल राजेंद्र



कृष्ण ने लिखे थे और इसका संगीत तैयार किया था कल्याणजी-आनंदजी ने। बता दें कि इसके पहले दिलीप कुमार की आवाज के लिए मोहम्मद रफी की आवाज का इस्तेमाल होता था, लेकिन फिल्म 'गोपी' में महेंद्र कपूर ने दिलीप के लिए गाने गाए। म्यूजिशियन आनंदजी ने एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्म की हाई पिच वाले गानों के लिए उन्हें महेंद्र कपूर की आवाज सही लगी थी।

गाने के हर बोल में बताई गई कलियुग की सच्चाई

इस गाने को खास बनाते हैं इसके बोल। इसमें कलयुग की तस्वीर को पेश किया गया है। हंस और कौए का उदाहरण लेते हुए सही और गलत की पहचान पर सवाल उठाया गया है। यही वजह है कि गाने की लाइनें आज भी आम बातचीत में सुनाई दे जाती हैं। फिल्म का ये गाना भक्ति के रंग में सराबोर है। गाने का अंदाज ऐसा है कि सुनने वाला इसकी धुन के साथ-साथ इससे मिलने वाले मैसेज पर भी ध्यान देता है। गाने के बोल कुछ इस तरह हैं-

दिलीप कुमार और सायरा बानो की फिल्म 'गोपी' की कहानी

फिल्म का निर्देशन ए। भीमसिंह ने किया था। इस फिल्म में दिलीप कुमार, सायरा बानो, प्राण, ओम प्रकाश, निरुपा रॉय, फरीदा जलाल और जॉनी वॉकर ने अभिनय किया था। फिल्म की कहानी गोपी नाम के एक सीधे-सादे आदमी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिस पर चोरी करने का झूठा इल्जाम लगा दिया जाता है, जिसके बाद उसे घर छोड़ना पड़ता है। फिल्म में 'रामचंद्र कह गए सिया से' के अलावा मोहम्मद रफी का गाया 'सुख के सब साथी, दुख में न कोई' भी काफी पसंद किया गया था। आज भी इस गाने को सुनने पर लगता है कि अच्छे गाने समय के साथ पुराने नहीं होते। उनकी धुन याद रहती है और उनके बोल हर दौर में नए मायने तलाश लेते हैं, जो इस गाने को और खास बनाते हैं।

वायरल वीडियोः सैफ ने बजाया तगड़ा गिटार

करीना बोलीं- सबसे कूल पति, छोटे नवाब के जवाब ने खींचा फैंस का ध्यान



सैफ अली खान ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर कदम रखा है। तब से वह फैंस को बड़े पर्दे के बाहर की अपनी जिंदगी की झलकियां दिखा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपने घर पर गिटार बजाते हुए एक वीडियो शेयर किया है। इस पर करीना से उनकी बात ने फैंस का ध्यान खींचा है। नीले कुर्ते और सफेद पजामे में सैफ एक पीला इलेक्ट्रिक गिटार बजाते दिखे, जबकि उनके साथ कुछ दूसरे संगीतकार ड्रम और दूसरे वाद्ययंत्र बजा रहे थे। सैफ ने अपनी बालकनी में एक शानदार जैमिंग स्पेस तैयार किया, जहां एम्पलीफायर और संगीत के अन्य उपकरण मौजूद थे।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'रिदम तो मिल गई, पर टेम्पो भटक गया, फिर भी बहुत मजा आया।' इस वीडियो में सैफ का संगीत के प्रति लगाव तो दिखा ही, मगर कमेंट सेक्शन में उनकी पत्नी करीना कपूर के साथ हुई एक प्यारी सी बातचीत ने सबका ध्यान खींच लिया। करीना ने कमेंट किया, 'दुनिया में सबसे कूल पति किसका है? क्या मैं कह सकती हूं कि मेरा?' इस पर सैफ ने बड़े मजेदार अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'प्लीज नजर मत लगाना!' सैफ अली खान के इस जवाब को 7 हजार से ज्यादा फैंस ने लाइक किया है।

इससे पहले भी सैफ की एक बात ने फैंस का ध्यान खींचा था। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में करीना ने बताया कि सैफ को उन्हें प्रपोज करने के लिए एक या दो बार नहीं बल्कि तीन बार कोशिश करनी पड़ी। तब जाकर उन्होंने 'हां' कहा। करीना ने बताया, 'उन्होंने मुझे मुंबई में प्रपोज किया, फिर ग्रीस में और उसके बाद पेरिस में। तब जाकर मैंने 'हां' कहा।' इस पर सैफ ने मजाक करते हुए कहा, 'अगर तुमने मुंबई में ही 'हां' कह दिया होता, तो मेरे काफी पैसे बच जाते!'

बिग बॉस 20: लव और स्काउट की 'ब्लैकेट मसाज' पर भड़के रोहित शेट्टी

लगाई फटकार

कहा– यह सब अच्छा नहीं दिख रहा



रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में इस बार वीकेंड का वार काफी धमाकेदार होने वाला है। दरअसल, सलमान खान की जगह इस हफ्ते रोहित शेट्टी शो को होस्ट करते हुए नजर आएंगे। इसके कई प्रोमो भी सामने आ गए हैं। एक वीडियो में होस्ट कंटेस्टेंट स्काउट और लवप्रीत कौर गिल उर्फ लव के रिश्ते पर सवाल उठाते नजर आते हैं। बता दें कि दोनों एक-दूसरे को भाई-बहन बताते हैं, लेकिन शो से उनके कुछ ऐसे क्लिप्स सामने आ रहे हैं, जिन्हें देखने के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पहले सलमान खान ने भी दोनों को हिंट दिया था और अब रोहित ने तो लव और स्काउट को नेशनल टीवी पर फटकार लगाई है।

रोहित शेट्टी ने पूछा सवाल?

शो के प्रोमो में देखने को मिला कि होस्ट रोहित शेट्टी ने लव और स्काउट से कहा, 'एक चीज जो बहुत गलत लग रही है। सलमान भाई ने हिंट देने की कोशिश की, लेकिन फिर वो रुक गए। जब आप लोग नजदीक आते हो।।। एक तरफ आप लेटे हो वो आपके पैर दबा रहा है। बाद में कंबल आ जाता है। कंबल के अंदर हाथ दब रहा है, जो बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा। स्काउट को बोलते हो कि जरा पीछे दबा दे और वो दबाना शुरू करता है, तब आप अजीब आवाज निकालते हो, वो ठीक नहीं लग रहा है। मैं क्या बोलना चाह रहा हूं, तुम समझ रहे हो न?'

रोहित शेट्टी ने लगाई फटकार

इसके बाद स्काउट ने कहा कि जब माही बोलते हैं, तो मैं उनके भी दबाता हूं। फिर रोहित उन्हें टोकते हुए कहते हैं कि तुम समझो कहां गलत जा रहे हो और क्या गलत हो रहा है। जो बाहर दिख रहा है, लग रहा है वो मैं आपको बोल रहा हूं। साथ ही होस्ट लव से भी सवाल करते हैं कि स्काउट आपके लिए क्या है। इस पर लवप्रीत ने जवाब दिया भाई है सर।

स्काउट की गर्लफ्रेंड काश्वी हिरानंदानी

सोशल मीडिया पर चल रही कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, 'बिग बॉस 20' के वीकेंड का वार में इस बार स्काउट की गर्लफ्रेंड काश्वी हिरानंदानी भी दिखाई दे सकती हैं। काश्वी स्काउट और लव से सवाल करते हुए नजर आएंगी।

'ईमानदार होती तो आज इंडस्ट्री से गायब नहीं होती'

तनुश्री दत्ता पर भड़कीं हेतल यादव, बोलीं- सेट पर नखरे दिखाती थी



बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता अक्सर अपने बेबाक बयानों को लेकर चर्चा में रहती हैं। अब एक्ट्रेस और कोरियोग्राफर हेतल यादव ने तनुश्री के साथ काम करने का अपना अनुभव शेयर किया है। हेतल ने तनुश्री दत्ता पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें गैर-पेशेवर बताया है। उन्होंने कहा कि तनुश्री की बहन इशिता दत्ता के साथ काम करना काफी आसान था, लेकिन तनुश्री के साथ सेट पर काम करने का अनुभव बिल्कुल भी अच्छा नहीं रहा ।

नाना पाटेकर विवाद पर बोलने से किया परहेज

जब हेतल से नाना पाटेकर और तनुश्री दत्ता के बहुचर्चित विवाद के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बहुत साफ रुख अपनाया। हेतल ने कहा कि वे उस फिल्म का हिस्सा नहीं थीं, इसलिए उन्हें नहीं पता कि वहां क्या हुआ था। उन्होंने कहा कि जिस घटना को मैंने अपनी आंखों से देखा ही नहीं, उस पर कोई फैसला या कमेंट करना बिल्कुल गलत होगा।

सेट पर अनप्रोफेशनल रवैया

हेतल यादव ने एक बातचीत में बताया कि उन्होंने फिल्म 'अपार्टमेंट' में तनुश्री के साथ तीन गानों पर काम किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि तनुश्री सेट पर बिल्कुल ध्यान नहीं देती थीं और छोटी-छोटी बातों पर चिढ़ जाती थीं। एक रोमांटिक गाने की शूटिंग के समय भी उन्हें काफी दिक्कतें थीं। वे सेट पर टच न करने की बात कहकर नखरे दिखाती थीं। हेतल ने कहा कि तनुश्री के इस बर्ताव से फिल्म के प्रोड्यूसर्स और डायरेक्टर्स भी काफी परेशान हो गए थे ।



करियर छीनने वाले बयानों पर हेतल का जवाब

तनुश्री दत्ता ने कुछ समय पहले आरोप लगाया था कि बॉलीवुड इंडस्ट्री ने उनके प्रोजेक्ट्स छीनकर उनका करियर बर्बाद कर दिया। इस पर हेतल ने कहा कि अगर तनुश्री अपने काम के प्रति ईमानदार होतीं, तो आज इंडस्ट्री से गायब नहीं होतीं। उन्होंने गोविंदा का उदाहरण देते हुए कहा कि कोई भी आपका पूरा करियर नहीं छीन सकता। कुछ प्रोजेक्ट्स हाथ से निकल सकते हैं, लेकिन अगर इंसान अपने काम में पक्का है तो काम कभी खत्म नहीं होता।

14 साल पुराना इश्किया गाना

प्रेमी को अटरिया पर बुलाती दिखीं माधुरी, रेखा भारद्वाज की आवाज, गुलजार के बोल ने जीत लिया था दिल

हिंदी सिनेमा में प्यार, इश्क और मोहब्बत को लेकर के कई गाने बनते हैं। जिसमें प्रेमी और प्रेमिका अपने इश्क का इजहार करते हैं, किसी खूबसूरत जगह पर मुलाकात करते हैं। लेकिन प्रेमी-प्रेमिका के बीच मुलाकात किसी खूबसूरत बगीचे या पहाड़ों पर ही हो, ऐसा जरूरी नही है। कभी-कभी घर की अटरिया भी मोहब्बत के इजहार की सबसे खास जगह बन जाती है। आज हम आपको बॉलीवुड के एक ऐसे ही गाने के बारे में बताएंगे जिसमें इश्क का इजहार करने के लिए प्रेमिका ने अपने प्रेमी को घर की छत यानि अटरिया पर बुलाया है। इस गाने को सुनते ही पुराने दौर की महफिलों और छत पर होने वाली मुलाकातों की याद आने लगती है। 14 साल पुराना ये गाना अपने इश्किया अंदाज के लिए जाना जाता है और सालों बाद भी ये गाना अपने देशी अंदाज से लोगों का दिल जीत लेता है।

हम बात कर रहे हैं साल 2014 में आई डेढ़ इश्किया फिल्म के गाने 'हमरी अटरिया पे' गाने की। इस गाने को खास बनाते हैं इसके बोल जिसको गलजार साहब ने लिथा और ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया जो सुनने में पुराने जमाने की ठेठ बोली जैसे लगते हैं। इस गाने में प्रेमिका अपने पिया के आने का इंतजार करती नजर आती है। सजना-संवरना, दीये जलाना और महफिल सजाना, इन सबके बीच उसके मन में प्रेमी से मिलने की बेचैनी भी दिखाई देती है। गुलजार के बोल, विशाल भारद्वाज का संगीत और रेखा भारद्वाज की आवाज ने इस गाने के मिजाज को और खास बना दिया। गाने में ठहराव और शरारत दोनों ही सुनाई देते हैं। इसके संगीत में लोकगीत की मिठास और ठहराव दोनों ही महसूस होता है।

ये गाना साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म 'डेढ़ इश्किया' का है, अभिषेक चौबे के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, माधुरी दीक्षित, अरशद वारसी और हुमा कुरैशी ने अभिनय किया था। फिल्म को प्रोड्यूस विशाल भारद्वाज और रमन मारू ने किया था। फिल्म के गाने हमरी अटरिया पे में माधुरी दिक्षित और हुमा कुरैशी नजर आती हैं। माधुरी की अदाओं और हुमा के डांस ने इस गाने को और खास बना दिया है। फिल्म की कहानी में रोमांस के साथ धोखे, रहस्य और साजिश का भी अहम हिस्सा है।



आर्यन खान : क्या नए जोनर में कदम रखने जा रहे किंग के बेटे? शुरू की नए लेखकों की तलाश; अब तक किए ये काम

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान का शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' काफी चर्चा में रहा। अब आर्यन अपनी अगली सीरीज के लिए उभरते लेखकों की एक टीम तैयार कर रहे हैं। कैमरे के पीछे अपना सफर शुरू करने के बाद, अब वह कहानी कहने की नई प्रतिभाओं की तलाश कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि आर्यन खान सिर्फ निर्देशन और इसके क्रिएटिव विजन पर ध्यान देने के बजाय, अपकमिंग प्रोजेक्ट की लेखन प्रक्रिया में भी शामिल होना चाहते हैं।

वैरायटी के मुताबिक आर्यन खान नए लेखकों को तलाश कर रहे हैं। इस पहल का मकसद ऐसे लेखकों को एक साथ लाना है, जिनके विचारों को भविष्य के स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स में बदला जा सके। कहा जा रहा है कि वह ऐसी कहानियों में दिलचस्पी रखते हैं जो आज के दौर का नजरिया पेश करें और युवा दर्शकों से जुड़ सकें। यह कदम उनके पहले बड़े प्रोजेक्ट के बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने शो-रनर, लेखक और निर्देशक के तौर पर काम किया था। हालांकि नई सीरीज के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, मगर नए लेखकों की तलाश से पता चलता है कि अभी इस प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है।



कास्ट, कहानी या प्रोडक्शन शेड्यूल के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

निर्देशन में कदम रखने से पहले आर्यन खान ने 2019 में 'द लायन किंग' के हिंदी वर्जन में सिम्बा को अपनी आवाज दी थी। इसी वर्जन में शाहरुख खान ने मुफासा के लिए अपनी आवाज दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख खान को कुछ डायलॉग्स फिर से रिकॉर्ड करने पड़े थे, क्योंकि विशेषज्ञों ने गौर किया कि उनकी आवाज उनके बेटे की आवाज से बहुत ज्यादा मिलती-जुलती लग रही थी। 2024 में 'मुफासाः द लायन किंग' में आर्यन खान ने सिम्बा के रूप में वापसी की। शाहरुख खान ने एक बार फिर मुफासा को अपनी आवाज दी, जबकि अबराम खान भी हिंदी वॉयस कास्ट का हिस्सा बने। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से उन्होंने निर्देशन की दुनिया में कदम रखा।

क्या आदित्य ठाकरे को डेट कर रहीं हैं बिग बॉस कंटेस्टेंट उदिति सिंह? सोशल मीडिया पर यूजर्स का दावा



'बिग बॉस 20' में उदिति सिंह के एक खुलासे ने इंटरनेट पर खलबली मचा दी है। उदिति ने शो में बताया कि उनका 'मिस्ट्री बॉयफ्रेंड' इतना 'विवादास्पद' है कि उसका नाम सार्वजनिक करने पर उनकी जान को खतरा हो सकता है। इस सनसनीखेज बयान के बाद सोशल मीडिया के जासूस तुरंत एक्टिव हुए और उदिति की फॉलोइंग लिस्ट खंगाल डाली। इसके बाद जो नाम सामने आया, उसने सबको चौंका दिया - वह नाम है महाराष्ट्र के युवा नेता आदित्य ठाकरे। अब इंटरनेट पर हर तरफ यही चर्चा है कि क्या वाकई आदित्य ठाकरे ही उदिति के सीक्रेट बॉयफ्रेंड हैं, या यह महज़ बिग बॉस की टीआरपी बढ़ाने वाली एक और गॉसिप है?

रिपोर्ट के मुताबिक, बिग बॉस के घर में बातचीत के दौरान उदिति ने अपने बॉयफ्रेंड को प्रभावशाली व्यक्ति बताया और कहा कि वह उसका नाम सार्वजनिक नहीं कर सकतीं। उनके इस कथित बयान के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई। हालांकि, उदिति ने किसी का नाम नहीं लिया है और न ही उनके रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि हुई है। उदिति ने हाल ही के एक एपिसोड में कहा की वह खेलते है स्पोर्ट्सपर्सन है, इसपर काजी और माही ने अनुमान लगाया कि वह क्रिकेटर हो सकते हैं और खूब टांग खिंचाई की।

उदिति के इस बयान के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर यूजर्स ने उनके कथित बॉयफ्रेंड की पहचान को लेकर अनुमान लगाना शुरू कर दिया। इसी दौरान महाराष्ट्र के नेता आदित्य ठाकरे का नाम भी चर्चा में आने लगा। कुछ यूजर्स ने दावा किया कि उदिति और



आदित्य एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर फॉलो करते हैं। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि उदिति जिन चुनिंदा अकाउंट्स को फॉलो करती हैं, उनमें आदित्य का नाम शामिल है। इन्हीं सोशल मीडिया चर्चाओं के आधार पर दोनों के बीच रिश्ते को लेकर अटकलें लगाई जाने लगीं।

उदिति सिंह इससे पहले टीवी एक्टर करण वाही के साथ अपने रिश्ते को लेकर भी चर्चा में रह चुकी हैं। बिग बॉस के घर में उन्होंने अपने पुराने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की थी। उदिति ने बताया था कि दोनों करीब ढाई साल तक रिलेशनशिप में रहे और उनके बीच शादी को लेकर भी बातचीत हुई थी। एक्ट्रेस ने यह भी बताया था कि समय के साथ दोनों के बीच मतभेद बढ़ने लगे थे।

उन्होंने अपने ब्रेकअप को जिंदगी का एक अहम मोड़ बताया और कहा कि इससे उनके करियर में भी बदलाव आया। उदिति के मुताबिक, रिश्ते में उन्हें कई बार ऐसा महसूस हुआ कि उनका पार्टनर उन्हें प्रोत्साहित करने के बजाय हतोत्साहित कर रहा होता था।

Printed and Published by **GANTYADA APPARAO** on behalf of **GANTYADA APPARAO**, Printed at Sri Sai Ganga Printers and Publishers Flat No: 504, Bharat Towers, 5th Lane, Dwaraka Nagar, Visakhaptanam, Andhra Pradesh-530016, and Published at H.NO: 38-4-216, MAHARANI STREET, MARRIPALEM, Visakhapatnam, Andhra Pradesh-530018, **Editor: GANTYADA APPARAO.** Mobile : 9059465965, **RNI : APHIN/26/A3657**, editorpenpower@gmail.com